



Amisha

29 Nov 1993

07:01 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121410204

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 29/11/1993
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 19:01:00 घंटे
इष्ट _____: 30:14:55 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:39:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:11:43 घंटे
साम्पातिक काल _____: 23:13:38 घंटे
सूर्योदय _____: 06:55:01 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:23:49 घंटे
दिनमान _____: 10:28:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 13:34:27 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 08:09:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: वृष - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: रोहिणी - 3
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: सिद्ध
करण _____: बालव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: सर्प
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: वी-वीणा
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: धनु

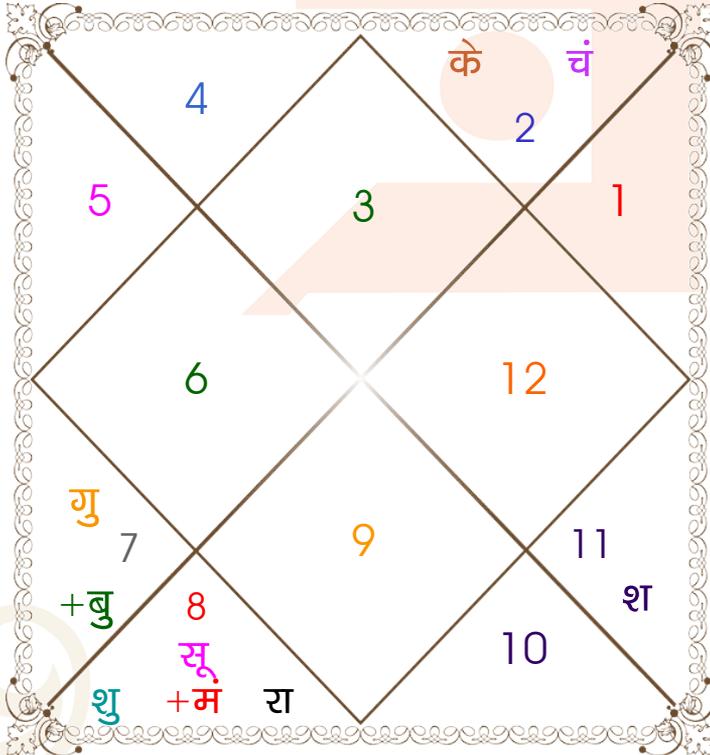
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:09:22	328:05:39	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	13:34:27	01:00:46	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	16:54:17	12:27:11	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	20:59:32	00:44:08	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध			तुला	25:24:13	01:22:16	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	10:11:17	00:11:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	01:54:37	01:15:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			कुंभ	00:45:02	00:03:15	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:16:35	00:00:07	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:16:35	00:00:07	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	26:03:16	00:02:50	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप			धनु	25:34:01	00:01:48	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	02:07:20	00:02:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	23:37:28	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

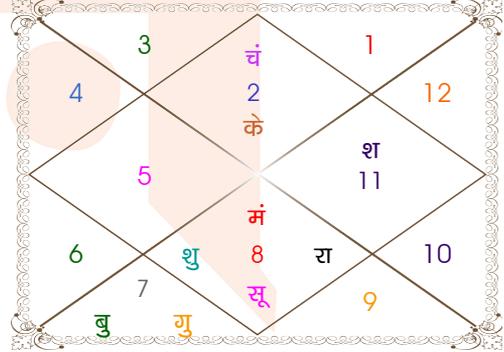
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:33

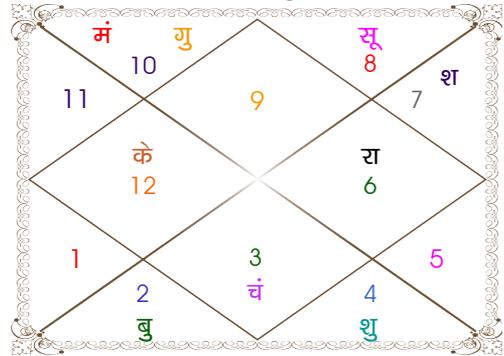
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 9 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
29/11/1993	25/09/1998	25/09/2005	26/09/2023	26/09/2039
25/09/1998	25/09/2005	26/09/2023	26/09/2039	25/09/2058
00/00/0000	मंगल 21/02/1999	राहु 07/06/2008	गुरु 13/11/2025	शनि 28/09/2042
00/00/0000	राहु 11/03/2000	गुरु 01/11/2010	शनि 26/05/2028	बुध 08/06/2045
00/00/0000	गुरु 15/02/2001	शनि 07/09/2013	बुध 01/09/2030	केतु 17/07/2046
29/11/1993	शनि 27/03/2002	बुध 26/03/2016	केतु 08/08/2031	शुक्र 16/09/2049
शनि 26/07/1994	बुध 24/03/2003	केतु 14/04/2017	शुक्र 08/04/2034	सूर्य 29/08/2050
बुध 26/12/1995	केतु 20/08/2003	शुक्र 13/04/2020	सूर्य 25/01/2035	चंद्र 29/03/2052
केतु 26/07/1996	शुक्र 19/10/2004	सूर्य 08/03/2021	चंद्र 26/05/2036	मंगल 08/05/2053
शुक्र 27/03/1998	सूर्य 24/02/2005	चंद्र 07/09/2022	मंगल 02/05/2037	राहु 14/03/2056
सूर्य 25/09/1998	चंद्र 25/09/2005	मंगल 26/09/2023	राहु 26/09/2039	गुरु 25/09/2058

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
25/09/2058	26/09/2075	25/09/2082	26/09/2102	26/09/2108
26/09/2075	25/09/2082	26/09/2102	26/09/2108	00/00/0000
बुध 21/02/2061	केतु 22/02/2076	शुक्र 25/01/2086	सूर्य 14/01/2103	चंद्र 27/07/2109
केतु 18/02/2062	शुक्र 23/04/2077	सूर्य 25/01/2087	चंद्र 16/07/2103	मंगल 25/02/2110
शुक्र 19/12/2064	सूर्य 29/08/2077	चंद्र 25/09/2088	मंगल 20/11/2103	राहु 27/08/2111
सूर्य 26/10/2065	चंद्र 30/03/2078	मंगल 25/11/2089	राहु 14/10/2104	गुरु 26/12/2112
चंद्र 27/03/2067	मंगल 26/08/2078	राहु 25/11/2092	गुरु 02/08/2105	शनि 30/11/2113
मंगल 23/03/2068	राहु 13/09/2079	गुरु 27/07/2095	शनि 15/07/2106	00/00/0000
राहु 11/10/2070	गुरु 19/08/2080	शनि 25/09/2098	बुध 22/05/2107	00/00/0000
गुरु 15/01/2073	शनि 28/09/2081	बुध 27/07/2101	केतु 27/09/2107	00/00/0000
शनि 26/09/2075	बुध 25/09/2082	केतु 26/09/2102	शुक्र 26/09/2108	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 9 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नहीं रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरुआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तो सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढ़कते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायित्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात् आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नहीं है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नहीं होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।